गर्लफ्रेंड की चुदाई दास्तान

“कोचिंग में मेरी मुलाक़ात एक लड़की से हुई, उसके दूध बहुत बड़े बड़े थे। बस मेरा मन केवल उसकी चूत चुदाई के लिए उतावला था. मैंने उसे कैसे पटाया और फिर चोदा उस कॉलेज गर्ल को... पढ़ें मेरी सेक्स स्टोरी में!...”

Story By: (gullubhaiya)
Posted: Wednesday, July 18th, 2018
Categories: जवान लड़की
Online version: गर्लफ्रेंड की चुदाई दास्तान

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गर्लफ्रेंड की चुदाई दास्तान

दोस्तो, मेरा नाम गुल्लू है।
मैं इलाहबाद में अपना स्टार्टअप चलाता हूँ और यहीं कटरा में रहता हूँ जहाँ कोई भी कभी भी आ जा सकता है। क्योंकि मेरा मकान मालिक इलाहाबाद के बाहरी साइड में नया घर बना कर रहता है।
जब मैं इलाहाबाद नया नया आया था तो मेरा पहला उद्देश्य ही केवल चुदाई के लिए एक लड़की देखना था क्योंकि मैं चुदाई का भूखा इंसान हूँ।

जल्दी ही एक प्राइवेट कंप्यूटर संस्थान में दाखिला लिया जहाँ मेरी मुलाक़ात एक लड़की से हुई जिसका नाम शिवानी था। जिसकी उम्र करीब 18-19 थी और फिगर भी मस्त था। देखने में तो सूंदर थी ही पर उसकी सबसे अच्छी बात यह थी कि उसके दूध बहुत बड़े बड़े थे। अब बस मेरा मन केवल अपने उद्देश्य पर टिका था… चुदाई।

धीरे धीरे कंप्यूटर कोचिंग में सब आपस में बात करने लगे थे, मैं भी सबसे बात करता था पर उससे बात करते समय काफी नर्वस हो जाता था।
एक दिन सबने मिल कर व्हॉट्सएप ग्रुप बनाने का सोचा और फिर सबके नम्बर एक दूसरे के पास पहुँच गए। ये तो ऐसा था जैसा मैंने सोचा कि कहीं से उसका नम्बर मिल जाये और नम्बर मिल गया।

पहले दिन सबने आपस में खूब बात की उसके दूसरे दिन मैंने उसको पर्सनल इनबॉक्स किया। आपस में ऐसे ही क्या करती को कहाँ पढ़ती हो वगैरह।
अभी तक सब मेरी तरह से चल रहा था, उसका उस तरह का रिस्पांस नहीं था कि चुदाई हो सके। अभी तक मैं ही सबसे पहले उसको मेसेज करता था वो सिर्फ मेरी बातों का जवाब भर देती थी। ऐसे ही करीब एक महीने तक चलता रहा।

अब मेरा दिमाग खराब होने लगा था क्योंकि मैं ये नहीं चाहता था कि मेरी इमेज क्लास में खराब हो या ऐसा कुछ हो इसलिए मैं उसे डायरेक्ट नहीं बोल सकता था कुछ !

एक दिन मैंने अपने दोस्त को सारी बात बताई और चुदाई का उद्देश्य भी। उसने मुझे 5 दिन के लिए गायब होने को बोला। मैंने मतलब पूछा तो उसने बोला कि मोबाइल, इंटरनेट, क्लास आना सब बन्द कर दे उसके बाद तुझे पता चल जायेगा कि उसके दिल में कुछ है या सिर्फ तेरे साथ टाइम पास करती है।

मैंने अगले दिन से कोचिंग जाना बन्द कर दिया। रात तक उसका कोई मेसेज नहीं आया। पर मैंने सोचा कि अब पक्का 5 दिन के लिए कहीं बाहर चला जाता हूँ वरना क्लास जाए बिना रहा नहीं जायेगा.
इसलिए मैं लखनऊ अपने दोस्त के यहाँ शादी में चला गया।

5 दिन बाद लौटा तो व्हाट्सएप वाला मोबाइल ऑन किया तो देखा कि ग्रुप के बहुत सारे मेसेज थे पर धीरे धीरे मेसेज दिन के हिसाब से बढ़ते जा रहे थे। जब तीसरे दिन के मेसेज आये तो मतलब मेरे कोचिंग जाने के बन्द करने के तीसरे दिन, उस दिन उसका 'हेल्लो' का मेसेज था। उसके बाद चौथे दिन में उसने लिखा कि 'यार कहाँ गायब हो' ये मेसेज देख के मैंने व्हाट्सएप ऑन कर दिया और जल्दी से उसका इनबॉक्स खोला तो उसके सारे मेसेज आ गए जिसमें 'हाई हेल्लो' यही सब भरा था बस इसके अलावा कोई खास मेसेज नहीं थे।

मुझे लगा शायद यहाँ मेरा मकसद पूरा नहीं होगा तो फिर मैंने फॉर्मल तरीके से उसके सारे मेसेज के रिप्लाई दिए।

अगले दिन जब कोचिंग गया तो मेरे दोस्त ने बताया कि वो सब से मेरे बारे में पूछ रही थी कि कहाँ है आज कल या बाहर कहीं गया है आज कल कोचिंग नहीं आता है।
ये सुन कर मेरे मन में एक उम्मीद की किरण जगी।

अब मैं रोज पहले की तरह बात करने लगा और अब मुझे पहले उसके मेसेज भी आने लगा तो लगने लगा कि काम बनेगा और चुदाई के अरमान पूरे होंगे। पर यह सोच सोच कर दिमाग खराब था कि इतने महीने हो गए अभी तक प्रपोजल तक भी बात नहीं पहुंची है आगे का पता नहीं क्या होगा पर मैं ये सोच सोच के संतोष कर लेता कि इंतज़ार का फल मीठा होता है।

न्यू इयर आने वाला था और मैंने सोच लिया था कि अब कुछ करना पड़ेगा और मैंने उस दिन कुछ न कुछ कदम उठाने की सोची।

नव वर्ष पर सब लोग आपस में एक दूसरे को विश कर रहे थे।
वो खुद मेरे पास आई और उसने मुझे विश किया तो मेरा तो पहले ही दिमाग खराब था मैंने उसको बोला कि मुझे तुमसे कुछ बात करनी है.
तो उसने बोला कि पहले विश का रिप्लाई तो दो।

मैंने उसे गुस्से में देखा और उसको बाथरूम साइड आने को बोला क्योंकि दोनों बाथरूम अगल बगल थे और दोनों का वाशबेसिन एक ही था।

मुझे पता नहीं उसने मेरे गुस्से का क्या मतलब समझ पर वो मेरे पीछे बाथरूम साइड आने लगी।

उसके आते ही मैंने उसे पकड़ के जोर जोर से किस करना शुरू कर दिया. यह देख वो एकदम घबरा गयी और मुझे उसने दूर झिड़क दिया और अपने होठों को हाथ से पोंछती हुए बोली- चूतिया हो का बे…
मैंने उसके मुख से ये सुना तो सच बोलूं तो मेरी गांड फट गयी. मैंने सोचा बेटा इज़्ज़त भी गयी और चूत भी।

उसने अपने होंठों को फिर से वाशबेसिन के सामने लगे शीशे के सामने सही करते हुए बोला कि जो चीजे प्यार करने के लिए होती है उनको प्यार से ही यूज़ करना चाहिए।

आहा ! सच बोलूं तो यह सुनने के बाद मेरी जान में जान आई। अपने होंठों पर फिर से लिपिस्टिक लगाने के बाद वापस आते हुए उसने मेरे गाल खींचते हुए कहा कि शाम को बात करते हैं।
इतनी देर में मैं काफी कुछ समझ गया था, मुझे लगने लगा था कि ये पक्की खिलाड़िन है। तभी इतना नार्मल व्यवहार की कोई और होता था या तो चिपका ही रहता या शोर मचा देता।

उसके व्यवहार से ऐसा लगा कि वो मेरे से ज्यादा समझदार है… सबसे जरूरी कि चुदाई वो भी चाहती है।
अब मुझे बाकी सब फॉर्मेलिटी लग रहा था। इतना इशारा काफी था कि उसने कुछ हंगामा नहीं किया और बोली शाम को को बात करते हैं।

मैं ये सब सोच ही रहा था कि उसकी आवाज से मेरी सोच भंग हुई, बोली- तुम थोड़ी देर बाद बाहर आना, वरना किसी को शक हो सकता है।

मैं वापस पार्टी में आ गया पर अब मेरा मन पार्टी में नहीं था, शाम की बात में था। चुदाई दिमाग पर सवार थी इसलिए कोने में जाकर अकेले खड़े होके अन्तर्वासना की कहानियाँ पढ़ने लगा और उसके बाद पोर्न वीडियो डाउनलोडिंग में लगा कर पार्टी एन्जॉय करने लगा।

शाम को मैं उसका वेट कर रहा था। उसका मेसेज आया और बात होने लगी पहले तो ऐसे ही हुआ पार्टी दोस्ती वगैरह उसके बाद मैंने डायरेक्ट उससे पूछ लिया- क्या तुम मुझसे प्यार करती हो ? उसने कहा- चूतिया तभी तो तुम मुझसे बात कर पा रहा है… वरना कोई

और होता तो आज कोचिंग का आखिरी दिन होता।

उसका चूतिया बोलना मुझे खल रहा था, मैंने भी सोच लिया कि इसको अगर कुतिया न बनाया तो ज़िन्दगी झंड होगी।
इसके बाद मैंने उसको मिलने के लिए बोला तो उसने बोला कि सन्डे को या किसी दिन कोचिंग बंक करके आएगी मेरे फ्लैट पर।

सन्डे को फाइनल हुआ और वो मेरे साथ 2 बजे मेरे फ्लैट पर आ गयी। मैं तो आते ही शुरू होने वाला था पर उसने हाथ देकर रोक दिया।

थोड़ी देर में हम मेरे बेड पर बैठ कर बातें कर रहे थे और टीवी पर जो जो चल रहा था उसके बारे में डिसकस कर रहे थे। अब तक आधा घण्टा बेकार हो चुका था और ढाई बज चके थे।

मैं धीरे धीरे अपना एक हाथ उसके कन्धे पर ले जाने की कोशिश कर रहा था और एक उसके पेट पर वो भी अब धीरे धीरे मेरे कन्धे पर अपना सिर झुकाने लगी थी. अब हम दोनों इतना पास आ गए थे कि अगर एक दूसरे को देखे तो एक का दूसरे के गाल पर किश कर सकता था।
मैंने सोचा यही मौका है चौका मार जाए।

धीरे से मैंने उसके गाल पर किस किया, उसने कुछ नहीं कहा बल्कि इसके थोड़ी देर बाद उसने भी मेरे गाल पर किस किया।
अब मेरे से नहीं रुका गया, मैंने एक हाथ से उसका चेहरा अपनी तरफ घुमाते हुए उसके होंठों को अपने होंठों से जोड़ दिया और भयंकर तरीके से किस करना शुरू कर दिया।

किस करते हुए ही मैं उसकी पीठ पर हाथ फिराने लगा और धीरे धीरे एक एक हाथ को

उसके बड़े बड़े दूध की तरफ लाने लगा और जब उसके बड़े बड़े दूध मेरे एक हाथ में नहीं आये तो मैंने जोर से ऊपर से उन्हें दबाना शुरू कर दिया जिससे वो पीछे साइड गिरने लगी और पूरी तरह बेड पर लेट गयी.

अब मैंने उसके दूध को दबाना शुरू किया और उसके गुदगुदे दूध दबाने से बहुत ज्यादा आनंद की अनुभूति हो रही थी। ये सब काम किस करते हुए ही चल रहे थे और अब उसने भी मुझे जोर जोर से किस करना शुरू कर दिया था, पहले केवल वो मेरा साथ दे रही थी पर अब वो मुझ पर हावी होने लगी थी।
ऐसा लग रहा था कि मुझसे ज्यादा इसको चुदाई की जल्दी है।

अब मैं उसको नंगी देखना चाहता था, मैंने उसके टॉप को उतार दिया उसकी लाल ब्रा में बड़े बड़े दूध पूरी तरह जकड़े हुए थे।
ब्रा खोलने के लिए मैं उसके पीछे हाथ ले गया तो उसने पीठ उचका कर खोलने का आमन्त्रण दिया पर एक दो प्रयास के बाद मुझसे ब्रा नहीं खुली तो उसने कहा- आज तक कभी किसी की ब्रा नहीं खोली ?
तो मैंने कहा- नहीं !
और उसने अपनी ब्रा खुद से अलग कर दी, फिर से लेट गयी और मैंने उसके दूध को पीना शुरू कर दिया। उसके दूध पीने में बहुत मज़ा आ रहा था और दूसरा दूध एक हाथ से दबाये जा रहा था और अब उसकी सिसकारियाँ भी शुरू हो चुकी थी।

उसकी सिसकारियों ‘अहहा अहहा… अहहा अओ…’ या चिल्लाने से किसी को फर्क नहीं पड़ने वाला था क्योंकि मेरे फ्लैट से बाहर आवाज जाने का मतलब बहुत तेज चीखना है।

उसकी उम्म्ह… अहह… हय… याह अहहा अहहा… अहहा अओ… को सुन कर अब मैं और जोर जोर से उसके दूध चूसने लगा था। अब मैंने सोचा कि चोद भूमि के दर्शन किये जाए और उसकी जीन्स का बटन खोलने लगा और एक बार में पूरी उलटी जीन्स उतार

दी।

उसकी दोनों जांघो के बीच एक त्रिकोण सा बना हुआ था जो मुझे चूत चाटने को लालयित कर रहा था। उसकी पैंटी ब्रा से मुझे कोई मोह नहीं था इसलिए तुरन्त ही पैंटी को उससे अलग किया और दोनों टांगें फैला कर उसके क्लाइटोरिस को रगड़ने लगा और एक हाथ से उसके दूध दबा रहा था.

थोड़ी देर के बाद मैंने अपनी जीभ से उसके क्लाइटोरिस को चाटना और रगड़ना शुरू कर दिया जिसका परिणाम उसकी सिसकारियों उम्म्ह… अहह… हय… याह…अहहा अहहा… अहहा अओ…से हुआ।

अब मेरे अंदर का राक्षस भी जाग चुका था और मैंने उसकी चूत को दांतों से काटना शुरू कर दिया और एक उंगली उसकी चूत के अंदर डाल के अंदर बाहर करने लगा।
उम्म्ह… अहह… हय… याह अहहा अहहा… अहहा अओ…

यह आईडिया मेरे दोस्त ने मुझे दिया था और उसका कहना था इस तरह करने से लड़कियों को बहुत मज़ा आता है।

अब मैं जोर जोर से काटना और चाटना कर रहा था और एक उंगली लगातार उसकी चूत में तेजी से अंदर बाहर हो रही थी। उसकी आवाजें अब और तेज हो चुकी थी जो मेरे कमरे के बाहर आसानी से सुनी जा सकती थी- उम्म्ह… अहह… हय… याह… चाट मेरे राजा… जोर से चाट… खा जा इसको साले चूतिया अहहा अहहा… अहहा अओ… फक मी… जो मुझे और जोश दिला रहा था.

ऐसा लग रहा था कि ये अब झड़ जायेगी इतनी तेज तेज मेरा सिर वो अपनी चूत पर रगड़ने की कोशिश कर रही थी।

मैंने सोचा कि अब यही समय है भाई को बाहर लाने का क्योंकि मेरा मानना है कि सबसे पहली चुदाई में लड़की का संतुष्ट होना बहुत जरूरी है उसके बाद अपना देखो। मैंने उसके हाथ में अपना लण्ड दे दिया, वो धीरे धीरे हिलाने लगी.
मैंने मुंह में लेने को बोला तो नखरे करने लगी. मैंने भी सोचा कोई बात नहीं… पहली बार है, अगली बार इसके मुंह में ही निकालूँगा।

देर न करते हुए मैंने उसको उठाया और खुद लेट गया. अब वो मेरे ऊपर और मैं उसके नीचे था, दोनों के सारे कपड़े पहले ही अलग हो चुके थे, अब बस काण्ड होना बाकी था।

जैसे ही मैंने उसको अपने लण्ड पर बैठने का इशारा किया उसने मेरा लण्ड पकड़ के एक टांग दूसरी साइड करके लण्ड को चूत पर सेट किया और पच्च से बैठ गयी.
मेरी तो जान निकल गयी क्योंकि जो लण्ड के ऊपर जो खाल थी, वो अचानक से नीचे रगड़ खाते हुए निकली… मैंने उसको बाहर निकालने को बोला और फिर से बैठने को कहा।

पर मैंने सोचा कि जब मुझे इतना दर्द हुआ तो इसको क्यों कुछ नहीं हुआ.
बाद में उसने बताया कि बाथरूम किस वाली रात को उसने मार्कर यूज़ किया था और पहले भी कई बार वो मार्कर से मज़ा लेती रहती थी और पोर्न फ़िल्म भी बहुत देखती थी।

अब हमारी चुदाई शुरू हो चुकी थी, धीरे धीरे स्पीड तेज होती गयी, उसकी आवाजें भी चुदाई के साथ तेज होती गयी- उम्म्ह… अहह… हय… याह… फक मी!

और एक समय के बाद उसने मेरे ऊपर करने से मना कर दिया।
अब मेरी बारी थी, जैसा मैंने सोचा था अब उसे कुतिया बना के चोदना जरूरी था और मुझे असली मज़ा भी बाल पकड़ के कुतिया पोजीशन में आता है।

उसको झुकने का इशारा करते ही उसने पोजीशन सम्भाल ली और इतराते हुए गांड दिखाने

लगी। अब मैंने अपने लण्ड को सेट करते हुए चूत में डाल दिया और अब तेज तेज धक्के मारने लगा. पूरे कमरे में पट पट की आवाज आने लगी जो उसकी गांड और मेरी जांघों से टकरा कर निकल रही थी.

अब मैंने और स्पीड तेज करते हुए उसके बालों को इकट्ठा कर एक हाथ में ले लिया और घोड़ी की तरह हांकते हुए चोदने लगा और एक हाथ से थोड़ा झुक कर उसका एक दूध हाथ में लेकर उसके निप्पल मसलने लगा।
ये पोजीशन मेरी फेवरेट पोजीशन है।

पट पट की आवाजें और तेज होती गयी जिसके साथ उसकी आवाजें भी तेज होती गयी- अहहा अहहा… अहहा अओ… फक मी… जोर से चोद डालो ना… दे लण्ड… फ़ोड़ दो चूत को… माईईइ रे… आह्ह्ह… ऊईईईइ

और उसने मुझे अब कस के अपने हाठों से जकड़ लिया और जोर जोर से आवाज करते हुए अकड़ने लगी- उम्म्ह… अहह… हय… याह… आई मर गई… मैं गई… अरे रे… चुद गई… वो… वो… निकला… हाय रे… माऽऽऽऽ
वो झड़ गयी थी।

मुझे लगा अब जल्दी से अपना काम खत्म करना चाहये और मैंने उसके क्लासिक पोजीशन में लिटा दिया और उसने बिना मेरे कहे अपनी टाँगें फैला दी और फिर से एक बार चुदाई शुरू हुई. इस बार मैं उसे अपने सीने से उसके दूध दबाये हुए और कस कर जकड़े हुए चोद रहा था।

3-4 मिनट ही हुआ होगा क्लासिक में चोदते हुए… अब मैं छूटने वाला था, मैंने उसको बिना पूछे ही उसकी चूत में अपना लावा निकाल दिया और मेरी पकड़ उस पर से ढीली होने लगी. मैं उसके ऊपर ही लेट गया, उसने भी मुझे कस के अपनी बांहों में ले लिया।

घड़ी में देखा तो 5 बज चुके, अब उसे अपने घर जाने की जल्दी होने लगी… अगली बार मिलने का वादा करके वो चली गयी।

और उसके बाद कई बार मैंने उसकी चुदाई की और गांड भी मारी। अब वो मुझसे ब्रेकअप करके अलग हो गयी है। अब मैं नई चूत की तलाश में घूम रहा हूँ।
कैसी लगी मेरी गर्लफ्रेंड की चुदाई कहानी ?
आपके मेल का मुझे इंतज़ार रहेगा।
gullubhaiya9@gmail.com